नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 29.12.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर **बी.एड्. विभाग** द्वारा **एक दिवसीय योग कार्यशाला** के अवसर पर बोलते हुए भारतीय रेलवे में योग **प्रशिक्षक डॉ. जयंतनाथ** ने कहा कि यदि हमें आज के इस युग में स्वस्थ रहना है तो हमें अपनी दिनचर्या में योग जरूरी करना होगा तब जाकर हम स्वस्थ रह पायेंगे। योग बेहद सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित एक आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के बीच केन्द्रित है। यह एक स्वस्थ जीवन शैली और कला है। जीवन की सफलता, किसी भी क्षेत्र में संयत मन पर भी निर्भर करती है। योग का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है कि मनुष्य जाति को अब और आगे प्रगति करना है तो योग सीखना ही होगा। दरअसल योग भविष्य का धर्म और विज्ञान है। डॉ. जयंतनाथ ने प्रशिक्षुओं को योग के बड़े सरल तरीके बताये। इस अवसर पर बी.एड्. प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस तरह शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है ठीक उसी तरह योग के बिना अच्छे स्वास्थ्य की कल्पना भी बेकाट है। विद्यार्थियों के लिए योग बहुत ही लाभदायक माना गया है, इससे मन मस्तिष्क में स्थिरता आती है और पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने में भी सहायता मिलती है।

मुख्य अतिथि डॉ. जयंतनाथ जी का स्वागत बी.एड्. प्रवक्ता श्री नवनीत कुमार सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन बी.एड्. प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया इस अवसर बी.एड्. प्रथम वर्ष के कुल 65 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बी.एड्. विभाग के शिक्षक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दीप्ति गुप्ता, सुश्री रचना सिंह, सुश्री श्वेता चौबे, श्री जितेन्द्र प्रजापति उपस्थित रहे।

एक अन्य कार्यक्रम में **समाजशास्त्र विभाग** के तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान **"भारतीय सामाजिक विन्यास और और सामाजिक न्याय"** विषय पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में **मुख्य वक्ता महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ गोरखपुर** के **राजनीतिशास्त्र विभाग** के **प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार** ने कहा कि सामाजिक विन्यास वैश्विक परिदृश्य में देखने को मिलता है यहॉ पर विभिन्न वर्गो, जातियों, सम्प्रदायों, धर्मो को देखा जाय तो इनमें सारी विविधताएं विद्यमान है। सामाजिक विन्यास का तात्पर्य सामाजिक विविधता से सम्बन्धित है, इसके लिए समान नागरिक संहिता की व्यवस्था होनी चाहिए। समाज में सामाजिक न्याय स्थापित करने के लिए स्वतंत्रता और समानता आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता बृजभूषण लाल जी ने किया तथा आभार ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय जी ने किया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी डॉ. कविता मध्यान, एम.ए. समाजशास्त्र प्रथम वर्ष के श्री दुर्गा प्रसाद पाण्डेय किरन चौहान, सुनीता चौहान, रूपा चौहान, बी.ए. प्रथम वर्ष के सत्य प्रकाश तिवारी, किरन गुप्ता, द्वितीय वर्ष के आशुतोष चौहान, रवि कुमार निषाद तथा तृतीय वर्ष के प्रभात शेखर, तनुयादव, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष राहुल गिरि, विवेक कुमार एवं समाजशास्त्र विभाग के सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी